Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ___________________________

   (Name) _____________________________

2. (Signature) ___________________________

   (Name) _____________________________

Roll No. | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No.______________________________

(In words)

Test Booklet No.

D-1709

Time : **2 $^{1}/_{2}$** hours] [Maximum Marks : **200**

PAPER-III
MANAGEMENT

Number of Pages in this Booklet : **40** Number of Questions in this Booklet : **26**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answer to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुए रिक्त स्थान पर ही लिखिये ।

   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है ।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है ।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे ।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें ।
8. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें ।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।**

FOR OFFICE USE ONLY	
Marks Obtained	
Question Number	Marks Obtained
1	
2	
3	
4	
5	
6	
7	
8	
9	
10	
11	
12	
13	
14	
15	
16	
17	
18	
19	
20	
21	
22	
23	
24	
25	
26	

Total Marks Obtained (in words) ....

(in figures) ....

Signature & Name of the Coordinator ....

(Evaluation) Date ....

MANAGEMENT
प्रबन्धन

Paper-III
प्रश्नपत्र-III

Note : This paper is of **two hundred (200)** marks containing **four (4)** sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट : यह प्रश्नपत्र **दो सौ (200)** अंकों का है एवं इसमें **चार (4)** खंड हैं । अभ्यर्थियों को इनमें समाहित प्रश्नों का उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है ।

Section – I
खण्ड – I

Note : This section contains **five (5)** questions based on the following paragraph. Each question should be answered in about **thirty (30)** words and carries **five (5)** marks.

(5 × 5 = 25 Marks)

नोट : इस खंड में निम्नलिखित अनुच्छेद पर आधारित **पाँच (5)** प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **तीस (30)** शब्दों में अपेक्षित है । प्रत्येक प्रश्न **पाँच (5)** अंकों का है । **(5 × 5 = 25 अंक)**

Reasoning that any goal-oriented organization consisting of thousands of individuals would require the carefully controlled regulation of its activities, the German Sociologist Max Weber developed a theory of bureaucratic management that stressed the need for a strictly defined hierarchy governed by clearly defined regulations and lines of authority. For Weber, the ideal organization was a 'bureaucracy' whose activities and objectives were rationally thought out and whose divisions of labour were explicitly spelled out. Weber also believed that technical competence should be emphasised and that performance evaluation should be made entirely on the basis of merit.

Today, we often think of bureaucracies as vast, impersonal organizations that put impersonal efficiency ahead human needs. We should be careful, though, not to apply our negative connotations of the word 'bureaucracy' to the term as Weber used it. Like the scientific management theorists, Weber sought to improve the performance of socially important organizations by making their operations predictable and productive. Although we now value innovation and flexibility as much as efficiency and predictability, Weber's model of bureaucratic management clearly advanced the formation of huge corporations such as Coca-Cola and Exxon.

Much in classical organization theory has endured. For example, the concept that management skills apply to all types of group activity has, if anything, increased in importance. The concept that certain identifiable principles underlie effective managerial behaviour and that these principles can be taught also continues to be valid.

Although classical organization theory has been criticized by other theorists, it has been well received by practicing managers for some time. This may be because classical organization theory helped isolate major areas of practical concern to the working manager. Above all, the classical organization school made managers aware of the basic kinds of problems they would face in any organization.

Classical organization theory has been criticized on the ground that it was more appropriate for the past, when organizations were in a relatively stable and predictable environment, than for the present, when organizational environments are more turbulent. For example, classical theorists insisted that managers maintain their formal authority, but today's better educated employees are less accepting of formal authority, especially when it is applied arbitrarily.

इस तर्क को देते हुए कि कोई उद्देश्योन्मुखी संगठन, जिसमें हज़ारों व्यक्ति कार्यरत हों, उसे अपने कार्यों के लिए सावधानीपूर्वक नियंत्रित व्यवस्था की अपेक्षा रहती है, जर्मनी के समाज-विज्ञानी, मेक्स वैबर, ने नौकरशाही प्रबन्धन के सिद्धान्तों का विकास किया जिसमें ऐसे सर्वथा परिभाषित सौपानिक प्रबन्धतंत्र पर बल दिया गया था जिसमें स्पष्ट परिभाषित विनियम एवं अधिकारों की पंक्ति का स्पष्ट निर्धारण हो । वैबर के लिए 'नौकरशाही' एक आदर्श संगठन था जिसकी क्रियाओं और लक्ष्यों पर तार्किकता से विचार किया गया हो और जिसके श्रम विभाजन को स्पष्टता से बयान किया गया हो । वैबर का यह भी विश्वास था कि तकनीकी सामर्थ्य पर बल दिया जाना चाहिए और कार्य निष्पादन का मूल्यांकन पूर्णतया गुणवत्ता पर आधारित हो ।

आज, हम 'नौकरशाहियों' को ऐसे व्यापक, अवैयक्तिक संगठन समझते हैं जो मानवीय माँगों से पूर्व अवैयक्तिक कार्यकुशलता को रखते हैं । हमें सावधान रहना चाहिए, और वैबर द्वारा प्रयुक्त 'नौकरशाही' शब्द के साथ हमें इस शब्द सम्बन्धी अपने नकारात्मक अभिधार्थों को नहीं जोड़ना चाहिए । वैज्ञानिक प्रबन्धन-सिद्धान्तकारों की तरह, वैबर ने सामाजिक महत्त्व के संगठनों के कार्य-निष्पादन में सुधार करना चाहा ताकि उनके परिचालन को पूर्व कथनीय और उत्पादक बनाया जा सके । यद्यपि हम आजकल प्रवर्त्तन एवं लचीलेपन को कार्य कुशलता और पूर्व कथनीयता सम महत्त्व देते हैं, वैबर के 'नौकरशाही प्रबन्धन' के मॉडल ने स्पष्टतया बड़े निगमों यथा कोकाकोला और एक्सौन के निर्माण को बढावा दिया ।

पुरातन संगठन सिद्धान्त का बहुत कुछ टिका हुआ है । उदाहरणतया, यह अवधारणा कि प्रबन्धन के कौशल सभी प्रकार के समूह-कार्यों पर लागू होते हैं, इससे कुछ नहीं तो, इसके महत्त्व में वृद्धि हुई है । यह अवधारणा कि कुछ निश्चित पहचाने जाने योग्य सिद्धान्त प्रभावी प्रबन्धन व्यवहार में निहित हैं और इन सिद्धान्तों को सिखाया जा सकता है, यह भी वैध है ।

यद्यपि पुरातन संगठन सिद्धान्त की अन्य सिद्धान्तकारों ने आलोचना की है तथापि कुछ समय के लिए व्यावहारिक प्रबन्धकों द्वारा इसका स्वागत किया गया है । यह इसलिए हुआ होगा क्योंकि पुरातन संगठन सिद्धान्त ने कार्यकारी प्रबन्धक को अपने व्यावहारिक सरोकार के मुख्य क्षेत्रों को अलग करने में सहायता की । इससे आगे, पुरातन संगठन सिद्धान्त के समर्थकों ने प्रबन्धकों को उन मूलभूत समस्याओं से अवगत करवा दिया जिनका सामना उन्हें किसी संगठन में करना पड़ सकता है ।

पुरातन संगठन सिद्धान्त की आलोचना इस आधार पर की गई है कि यह पुरातन काल के लिए अधिक उपयुक्त थे जब इन संगठनों में आज के संगठनों की तुलना में, अनुपाततया स्थायी एवं पूर्व-कथनीय वातावरण था । आज तो संगठनात्मक वातावरण कोलाहलमय है । उदाहरणतया, पुरस्तन सिद्धान्तकारों ने इस पर बल दिया है कि प्रबन्धकों को अपने औपचारिक अधिकारों को बनाये रखना चाहिए; मगर आज के बेहतर शिक्षित कर्मचारी औपचारिक अधिकारों को कम स्वीकार करते हैं, विशेषतया तब जब इन्हें मनमाने ढंग से लागू किया जाए ।

1. Explain the bureaucratic management theory as propounded by Max Weber.

मेक्स वैबर द्वारा प्रतिपादित 'नौकरशाही' प्रबन्धन सिद्धान्त की व्याख्या कीजिए ।

2. Why did Max Weber want to improve the performance of socially important organizations ?

मेक्स वैबर ने सामाजिक रूप से महत्त्वपूर्ण संगठनों के कार्य-निष्पादन को क्यों सुधारना चाहा ?

3. Explain why Classical Organization Theory has been well received by practising managers ?

व्यावहारिक प्रबन्धकों द्वारा पुरातन संगठन सिद्धान्त के स्वागत किये जाने के कारणों को स्पष्ट कीजिए ।

4. State the contributions of Max Weber to Management.

मेक्स वैबर के प्रबन्धन में योगदान के बारे में लिखिए ।

5. What are the limitations of the Classical Organization Theory ?

पुरातन संगठन सिद्धान्त की क्या सीमाएँ हैं ?

Section – II

खण्ड – II

Note : This section contains **fifteen (15)** questions, each to be answered in about **thirty (30)** words. Each question carries **five (5)** marks. **(5 × 15 = 75 Marks)**

नोट : इस खंड में **पाँच-पाँच (5-5)** अंकों के **पंद्रह (15)** प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **तीस (30)** शब्दों में अपेक्षित है । **(5 × 15 = 75 अंक)**

6. Explain the concept of Consumer's surplus.
उपभोक्ता आधिक्य विचारधारा का वर्णन कीजिए ।

7. Discuss Douglas McGregor's theory on motivation.

डगलस मेकग्रेगर के अभिप्रेरणा सिद्धांत की विवेचना कीजिए ।

8. Explain some typical on-the-job training techniques.

कार्य पर प्रशिक्षण की कुछ विशिष्ट विधियों का वर्णन कीजिए ।

9. Discuss future of Trade Unions in India.

भारत में श्रम संघों के भविष्य की विवेचना कीजिए ।

10. State the methods of risk-analysis with reference to capital budgeting decision.

पूँजी-बजेटिंग निर्णय के संदर्भ में जोखिम-विश्लेषण की पद्धतियों को बताएँ ।

11. State the reasons for merger.

संयोजन के कारणों को बताएँ।

12. State the different techniques used in sales promotion.

विक्रय संवर्द्धन में अपनायी जाने वाली विभिन्न तकनीकों का वर्णन कीजिए ।

13. Explain the role of segmentation in marketing.

विपणन में विभक्तीकरण की भूमिका का वर्णन कीजिए ।

14. Point out the benefits of Queuing Theory.

क्वीईंग सिद्धांत के लाभों को बताइये ।

15. Differentiate between Correlation and Regression analysis and give their properties. Explain the method of testing the significance of Correlation Coefficient.

सह-सम्बन्ध विश्लेषण एवं प्रतीक गमन विश्लेषण में भेद कीजिये और उनके गुण (प्रोपरटीज़) दीजिये । सह-सम्बन्ध गुणांक की जाँच करने के उपाय की व्याख्या दीजिये ।

16. Discuss the importance of a clear business strategy.

स्पष्ट व्यवसाय रणनीति के महत्त्व की विवेचना कीजिए ।

17. Define a 'PEST' analysis and describe how to carry one out.

'पी ई एस टी' विश्लेषण को परिभाषित कीजिए तथा इसे कैसे किया जाता है बताइये ।

18. Discuss the role played by Government in the promotion of small business.

लघु व्यवसाय को बढ़ावा देने के लिए सरकार की भूमिका की विवेचना कीजिए ।

19. Examine the process of business opportunity identification.

व्यवसाय अवसर पहचानने की प्रक्रिया का परीक्षण कीजिए ।

20. Explain ethical issues involved in corporate governance.

कॉरपोरेट शासन में शामिल नैतिकता मुद्दों का वर्णन कीजिए ।

SECTION – III

खण्ड – III

Note : This section contains **five (5)** questions from each of the electives/specialisations. The candidate has to choose only **one** elective/specialisation and answer all the **five** questions from it. Each question carries **twelve** (**12**) marks and is to be answered in about **two hundred** (**200**) words. **(12 × 5 = 60 Marks)**

नोट : इस खण्ड में प्रत्येक ऐच्छिक इकाई / विशेषज्ञता से **पाँच (5)** प्रश्न हैं । अभ्यर्थी को केवल एक ऐच्छिक इकाई / विशेषज्ञता को चुनकर उसी में से **पाँचों** प्रश्नों का उत्तर देना है । प्रत्येक प्रश्न **बारह (12)** अंकों का है व उसका उत्तर लगभग **दो सौ (200)** शब्दों में अपेक्षित है ।

(12 × 5 = 60 अंक)

Elective-I

ऐच्छिक-I

21. Discuss industrial dispute settlement machinery in Indian context.

भारत में औद्योगिक विवाद के निपटान की मशीनरी की विवेचना कीजिए ।

22. Discuss the role of potential appraisal in Human Resource Management.

संभावित मूल्यांकन की मानव संसाधन प्रबंधन में भूमिका की विवेचना कीजिए ।

23. Discuss new trends in compensation and benefits.

क्षतिपूर्ति एवं लाभ में नवीन प्रवृत्तियों की विवेचना कीजिए ।

24. Explain the important reasons why incentive plan fails.

प्रोत्साहन योजना के असफल होने के प्रमुख कारणों की विवेचना कीजिए ।

25. Discuss the grievance redressal system in Indian organisations.

भारतीय संगठनों में शिकायत निवारण व्यवस्था की विवेचना कीजिए ।

OR/अथवा

Elective-II
ऐच्छिक-II

21. Critically examine the concept of marketing myopia.

विपणन अल्पदृष्टि विचार का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए ।

22. Explain the nature and scope of marketing.

विपणन के प्रकृति और क्षेत्र का वर्णन कीजिए ।

23. Discuss the role and relevance of Public Relations in contemporary marketing world.

समकालिक विपणन विश्व में जन सम्बंध के भूमिका और प्रासंगिकता की विवेचना कीजिए ।

24. How do you analyse Business Potential ?

व्यवसाय संभावना का विश्लेषण आप किस प्रकार करेंगे ?

25. Discuss the meaning and role of Branding.

ब्रांडिंग से आशय एवं भूमिका की विवेचना कीजिए ।

OR/अथवा

Elective-III
ऐच्छिक-III

21. Explain the concept and measurement of risk and return of single asset and of portfolio.

एकल संपत्ति और पोर्टफोलियो के संदर्भ में जोखिम और प्रतिवर्तन के माप की विचारधारा को समझायें ।

22. "Sensitivity analysis as a tool of risk-analysis is superior to simulation technique of risk-analysis for capital budgeting decision." Comment.

पूँजी-बजेटिंग निर्णय के जोखिम-विश्लेषण के साधनों के रूप में संवेदनशीलता-विश्लेषण, अनुकरण-पद्धति से उत्कृष्ट है । टिप्पणी करें ।

23. “The final implications of both Walter-Model and Gordon-Model are same for dividend-distribution.” Discuss and comment.

लाभांश-वितरण के लिये वॉल्टर-मॉडल और गोर्डन-मॉडल दोनों के अंतिम-तात्पर्य समान हैं । चर्चा और टिप्पणी कीजिये ।

24. Explain the factors determining the value of an option.

एक विकल्प के मूल्य को निर्धारित करने वाले घटकों को समझायें ।

25. “Exposure of corporates to risk has increased over a period of time.” Explain in brief the main guidelines for risk-management.

समय की अवधि पर निगमों का जोखिम का अभिमुखीकरण बढ़ा है । जोखिम-प्रबंधन की मुख्य मार्गदर्शिता को संक्षेप में समझायें ।

OR/अथवा

Elective-IV
ऐच्छिक-IV

21. What are the Trade Agreements India is having with other countries ?

भारत के अन्य देशों के साथ में कौन-कौन से व्यापार समझौते हैं ?

22. Examine the significance of export-oriented units in India.

भारत में निर्यातोन्मुखी इकाइयों के महत्त्व का परीक्षण कीजिए ।

23. How do you measure exchange risk ?

विनिमय जोखिम का माप आप किस प्रकार करेंगे ?

24. Explain the mechanism of determining exchange rates.

विनिमय दर निर्धारण की व्यवस्था का वर्णन कीजिए ।

25. Explain the dispute settlement mechanism in international trade.

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में विवाद निपटान व्यवस्था का वर्णन कीजिए ।

SECTION – IV
खण्ड – IV

Note : This section consists of **one** essay type question of **forty** (**40**) marks to be answered in about one **thousand** (**1000**) words on any **one** of the following topics. **(40 × 1 = 40 Marks)**

नोट : इस खण्ड में एक **चालीस (40)** अंकों का निबन्धात्मक प्रश्न है जिसका उत्तर निम्नलिखित विषयों में से केवल **एक** पर, लगभग **एक हजार (1000)** शब्दों में अपेक्षित है । **(40 × 1 = 40 अंक)**

26. Discuss the superiority of collective bargaining over other methods of decision-making and explain the recent trends in collective bargaining.

निर्णयन की अन्य विधियों में सामूहिक सौदेबाजी की सर्वश्रेष्ठता की विवेचना कीजिए तथा सामूहिक सौदेबाजी में नवीन प्रवृत्तियों का वर्णन कीजिए ।

OR/अथवा

Explain the planning and execution of Advertising.

विज्ञापन के नियोजन एवं क्रियान्वयन का वर्णन कीजिए ।

OR/अथवा

"Proper financial analysis can provide early warning signals about the health of the organisation." Elaborate.

उचित वित्तीय-विश्लेषण संस्था के स्वास्थ्य के विषय में आरंभिक चेतावनी संकेत प्रदान करता है । विस्तृतीकरण कीजिये ।

OR/अथवा

Identify the emerging opportunities for global business.

वैश्विक व्यवसाय के उभरते अवसरों की पहचान कीजिए ।